एसजीफ़आई द्वारा वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के लिए भारतीय टीम की सेलेक्शन ट्राइल रांची में

इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्ट्स फेडरेशन (ङ्कस्स्न) 1 जुलाई से 10 जुलाई, 2026 तक चीन के शांगलुओ में लड़कों और लड़कियों के लिए वर्ल्ड स्कूल वॉलीबॉल चैंपियनशिप (18) की मेज़बानी करेगा। जिसमे भाग लेने के लिए स्कूल गेम्स फेडरेशन आफ इंडिया द्वारा 15 से 18 अप्रेल 2026 तक रांची (झारखंड) में भारतीय टीम के सेलेक्शन ट्राइल आयोजित किये जा रहे हैं।

सेलेक्शन ट्राइल के लिए विभिन्न आयुवर्ग में स्कूल गेम्स फेडरेशन आफ इंडिया के राष्ट्रिय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर सीबीएसई के 12 खिलाडी सूचीबद्ध किये गए हैं जो इस प्रकार है अयान, मोहम्मद अमान, मुशीर चौधरी, अमन, रॉबिन सिंह, उपदन्या शैलेश कार्ले, संजना, चन्द्रशेखर गोठोस्कर, सानिका, आनंद केलकर, श्रिया, रिद्धि देसाई, अर्ना वेंकटेशेषन आदि शामिल हैं। इस अवसर पर सीबीएसई खेल विभाग के प्रमुख डा मंजीत सिंह ने

डॉ. कान्ति लाल यादव राजीव गांधी पंचायती राज संगठन राजस्थान के सचिव पद पर नियुक्ति

बांसवाड़ा। डॉ.कान्ति लाल यादव को राजीव गांधी पंचायती राज संगठन राजस्थान (राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी) की ओर से सचिव पद पर नियुक्ति होने की खुशी में बांसवाड़ा में समाजसेवी एवं राज्य स्तरीय अंबेडकर सामाजिक सेवा पुरस्कार से सम्मानित कोदर लाल बुनकर एवं एससी एसटी विकास परिषद राजस्थान के संभागीय उपाध्यक्ष विट्ठल यादव, भगवती लाल जी डिंडोर (पूर्व जिला अध्यक्ष विद्युत वितरण कर्मचारी संघ) एडवोकेट पारस चौहान, ने डॉक्टर यादव के राजीव गांधी पंचायती राज संगठन राजस्थान के प्रदेश सचिव बनने की खुशी में गर्म जोशी के साथ माला एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया एवं आशीर्वाद दिया।

हाल ही में डॉक्टर यादव को राष्ट्रीय प्रभारी की अनुशंसा तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर सुनील पंवार एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के अनुमोदन के बाद डॉ.कान्ति लाल यादव के कार्य,अनुभव एवं कांग्रेस पार्टी के विचारधारा के प्रति समर्पण को दृष्टिगत रखते हुए *राजीव गांधी पंचायती राज संगठन राजस्थान के प्रदेश सचिव पद पर नियुक्त किया है। डॉ. यादव को उदयपुर ग्रामीण क्षेत्र का प्रभारी के रूप में जिम्मेदारी प्रदान की गई है।

'आभासी दुनिया की असलियत' विषय पर प्रो. शरद नारायण खरे का ओनलाइन व्याख्यान

मंडला--लोकप्रिय मंच भारतीय साहित्य संगम द्वारा प्रति सप्ताह ओनलाइन व्याख्यानमाला एवंअखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन कार्यक्रम शब्दों का कारवां के अंतर्गत किया जाता है। इसी श्रृंखला के अंतर्गत शब्दों का कारवाँ -348 वाँ आयोजन गूगल मीट पर ऑनलाइन रविवार दिनांक 5अप्रैल 2026 को किया गया।

प्रमुख वक्ता के रूप में कवि-लेखक प्रो शरद नारायण खरे प्राचार्य, शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय,मंडला (मध्य प्रदेश) ने समसामयिक विषय 'आभासी दुनिया की असलियत' पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए सोशल मीडिया और ओनलाइन संचालित गतिविधियों की असलियत का खुलासा किया।फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्ट्राग्राम की हकीकत को विचारक व प्रखर वक्ता,समाजशास्त्री प्रोफेसर शरद नारायण खरे ने सूक्ष्मता से उजागर किया।

उन्होंने आभासी मित्रता, संबंधों, नातों , व्यवसाय, कला, हुनर की आभासियत व असलियत का विस्तृत परीक्षण कर सारगर्भित चिंतन की प्रस्तुति दी,और आभासी मैत्री पर अंध भरोसा न करने का संदेश मुखरित किया।उन्होंने असत्य व छद्म की मानसिकता व प्रवृत्ति का खुलासा करते हुए आंख बंद करके भरोसा न करने की सीख दी,अन्यथा अप्रत्याशित दुष्परिणामों को भुगतने के लिए तैयार करने के लिए कहा।

व्याख्यान को ओनलाइन देश के अनेक सुधि श्रोताओं ने सुना। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में प्रोफेसर शरद नारायण खरे ने शानदार काव्य पाठ किया।उन्हें 'साहित्य प्रभात' के प्रशस्ति पत्र से सम्मानित भी किया गया।कार्यक्रम का संयोजन डॉ. धीरेन्द्र रांगड़ ,राष्ट्रीय अध्यक्ष,भारतीय साहित्य संगम, भारत ने किया। संचालन श्री मनोज कुमार गुप्ता ने किया।53

वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर शरद नारायण खरे जो कि अनेक कृतियों के रचयिता और अनेक पुरस्कार- सम्मान सहित साहित्य अकादमी मप्र से सम्मानित रेडियो,टीवी और मंचों सहित ओनलाइन धूम मचाने वाले प्रो शरद नारायण खरे मूलतः इतिहास के प्राध्यापक हैं,और वर्तमान में शासकीय जगन्नाथ मुन्नालाल चौधरी महिला महाविद्यालय मंडला मप्र में प्राचार्य का दायित्व निभा रहे हैं।वे कुशल वक्ता,संचालक,कवि- लेखक व सिंगर भी हैं।जो कि लगातार ओफलाइन व ओनलाइन प्रस्तुतियां दे रहे हैं।

राष्ट्रीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा के ऑनलाइन सदस्यता अभियान के जरिए एकजुट हुआ कुर्मी क्षत्रिय समाज

राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम समेत देशभर के दिग्गजों ने दिया 'शिक्षित और विकसित समाज' का मंत्र

भोपाल, 13 अप्रैल 206 : राष्ट्रीय कुर्मी क्षत्रिय महासभा द्वारा 'समाज हित सर्वोपरि, शिक्षित समाज-विकसित समाज' के संकल्प के साथ आयोजित विशेष ऑनलाइन सदस्यता अभियान सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। रविवार को आयोजित इस डिजिटल सत्र में देश के विभिन्न राज्यों से सैकड़ों की संख्या में सामाजिक बंधुओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया, जिसका मुख्य उद्देश्य संगठन की शक्ति का विस्तार करना और समाज के बौद्धिक विकास की नई रूपरेखा तैयार करना था।

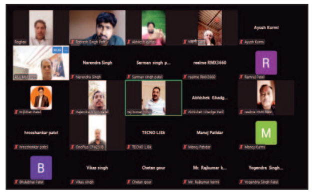

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. प्रोफेसर रामायण पटेल ने कार्यकर्ताओं में उत्साह भरते हुए कहा कि किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित सदस्यों में निहित होती है। उन्होंने विश्वास जताया कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से पूरे देश के समाजजनों को एक मंच पर लाने वाला यह सत्र शिक्षित समाज-विकसित समाज के सपने को हकीकत में बदलने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

संगठन की एकजुटता पर बल देते हुए राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता राघव पटेल ने कहा कि हमारा लक्ष्य केवल संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज के हर अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सदस्यता अभियान महासभा की अखंडता का आधार बनेगा, क्योंकि जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति जागरूक और शिक्षित नहीं होगा, तब तक सर्वांगीण विकास की परिकल्पना को साकार करना असंभव है। इसी कड़ी में राजनीतिक रणनीतिकार डॉ. अतुल मलिकराम ने सामाजिक सशक्तिकरण पर अपना दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा कि वर्तमान दौर में उन्नति के लिए सही रणनीति और वैचारिक स्पष्टता अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि किसी भी समाज के उत्थान के लिए उसकी संगठनात्मक शक्ति और सही दिशा का तालमेल होना जरूरी है और इस सत्र के माध्यम से यह साझा किया गया है कि कैसे आधुनिक संसाधनों व सामूहिक प्रयासों से समाज को सामाजिक और राजनीतिक रूप से अधिक प्रभावशाली बनाया जा सकता है। विशेष आमंत्रित सदस्य होशंगाबाद से तेज कुमार गौर ने भी समाज के युवाओं और प्रबुद्ध जनों से इस अभियान का सक्रिय हिस्सा बने रहने की अपील की।

इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय सचिव कैलाश गौर, बीना से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अरविंद पटेल, जबलपुर से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य सरमन पटेल, भोपाल से प्रदेश उपाध्यक्ष सुरेंद्र नाहर, भोपाल युवा जिला अध्यक्ष एडवोकेट अभिषेक घाडगे और छतरपुर से राष्ट्रीय युवा कार्यकारिणी सदस्य वीरेंद्र पटेल ने भी सक्रिय भागीदारी की।

कार्यक्रम के दौरान पन्ना से प्रदेश मीडिया प्रभारी राजेंद्र पटेल, छतरपुर से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य योगेंद्र पटेल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य अखिलेश पटेल, जबलपुर से राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य रामराज पटेल और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मनोज कुर्मी ने भी अपने विचार साझा किए। संगठन की मजबूती को प्रदर्शित करते हुए सागर जिला अध्यक्ष हरिशंकर, पन्ना जिला अध्यक्ष बृजभान पटेल, देवास जिला अध्यक्ष मनोज पाटीदार, सागर युवा जिला अध्यक्ष हेमराज पटेल, युवा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य चेतन गौर, सागर जिला उपाध्यक्ष भवानी प्रसाद पटेल, जिला कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार पटेल, रत्नेश सिंह पन्ना, आयुष पटेल, विकास, रूपलाल एवं नरेंद्र सिंह ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सत्र के समापन अवसर पर गंजबासौदा विदिशा के पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रोशन पटेल, बीना से जनपद सदस्य सुनील पुजारी, विशेष सदस्य पन्नालाल पटेल, बिहार के हाजीपुर से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रत्नेश पटेल और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कमल कौशिक सहित कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने सदस्यता अभियान को गति देने का संकल्प लिया। इस ऑनलाइन आयोजन ने न केवल डिजिटल माध्यम से देश भर के स्वजातीय बंधुओं को एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया, बल्कि सामाजिक एकजुटता और शिक्षा के महत्व पर एक व्यापक विमर्श की शुरुआत भी की।

जे जे टी यूनिवर्सिटी पर सवालों का साया, अनियमितताओं का खुलासा करने वाले सागर कछावा पर दर्ज FIR फेल

कोर्ट ने दी क्लीन चिट; शिकायतें दबाने की कोशिश उजागर

झुंझुनूं श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टीबड़ेवाला विश्वविद्यालय (जे जे टी यूनिवर्सिटी) से जुड़ा विवाद अब एक बड़े खुलासे के रूप में सामने आया है, जिसने उच्च शिक्षा प्रणाली की पारदर्शिता और जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

विश्वविद्यालय की कथित अनियमितताओं और फर्जीवाड़ा उजागर करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षाविद् सागर कछावा के खिलाफ दर्ज आपराधिक मामला न केवल पुलिस जांच में पूरी तरह निराधार साबित हुआ, बल्कि जांच रिपोर्ट ने इस पूरे घटनाक्रम की मंशा पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिया है।

थाना धनूरी पुलिस द्वारा प्रस्तुत अंतिम रिपोर्ट में स्पष्ट कहा गया कि मामला 'अदम वकूअ' है अर्थात कोई अपराध हुआ ही नहीं। जांच के दौरान आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आए।

लेकिन इससे भी अधिक महत्वपूर्ण तथ्य यह सामने आया कि रिपोर्ट में दर्ज किया गया कि सागर कछावा द्वारा विश्वविद्यालय में कथित फर्जीवाड़े और शैक्षणिक अनियमितताओं को लेकर की गई शिकायतों को रोकने के उद्देश्य से उनके खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया गया था।

यह घटनाक्रम यहीं नहीं रुका। 14 मार्च 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत में सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालय पक्ष द्वारा मामला आगे नहीं बढ़ाने की बात कही गई, जिसके बाद न्यायालय ने पुलिस की अंतिम रिपोर्ट स्वीकार करते हुए प्रकरण का पूर्ण निस्तारण कर दिया। इस प्रकार, जिस व्यक्ति को आरोपी बनाया गया था, वह जांच और न्यायिक प्रक्रिया में पूरी तरह निर्दोष सिद्ध हुआ।

पूरे मामले की शुरुआत तब हुई जब सागर कछावा ने वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और फर्जीवाड़े को लेकर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग , राज्य उच्च शिक्षा विभाग और अन्य मंचों पर विस्तृत शिकायतें दर्ज कराई। इन शिकायतों में क्द्बष्ठ प्रवेश प्रक्रिया में अनियमितताओं, प्रवेश परीक्षा की अनदेखी, सुपरवाइजर नियुक्ति में कथित गड़बड़ियों और शैक्षणिक पारदर्शिता के अभाव जैसे गंभीर कई मुद्दे उठाए गए थे।

इन शिकायतों ने धीरे-धीरे व्यापक रूप ले लिया और मामला नियामक संस्थाओं तक पहुंच गया। राजस्थान सरकार के उच्च शिक्षा विभाग ने भी इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए विश्वविद्यालय को पत्र जारी कर सागर कछावा की शिकायतों के संदर्भ में तथ्यात्मक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए है, ताकि उसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को भेजा जा सके।

अकती ले होथे किसानी बुता के सुरुवात

अक्छय के मतलब ही होथे कि जो भी सुभ काम करबे ओकर कभू छय नइ होये। एकरे सेती एला अक्छय तृतीया कहे जाथे।अकती परब जेन ल आखा तीज अउ परशुराम जयंती के नाव ले घलो जाने जाथे। बैसाख महीना के अंजोरी पाख के तीसरा दिन म मनाय जाथे। ये एसन परब आय जेन ल हिंदु के संगे संग जैन समुदाय के मन घलो मनाय जाथे।

आवव जानथन अकती के महत्तम ला :-ए परब ल बड़ शुभ परब माने गे हवय ।अक्ति म सोना बिसाना,सोना के जिनिस लेना बड़ शुभ माने जाथे। ।ए दिन अचल सम्पत्ति खेत खार,जमीन खरीदना घलो बहुते शुभ माने गे हवय। पौरानिक कथा अनुसार ए दिन त्रेता युग के सुरुआत माने जाथे।भगवान विष्णु के छटवा अवतार परशुराम के जयंती घलो माने जाथे । इहि कारन सोना,चाँदी के आभूषण खरीदना अउ दान पुन के अड़बड़ महत्व बताए गे हवय।

किसान मन के उचछाह उमंग के परब:-किसान मन बर अकती ह उछाह अउ उमंग के परब आय । काबर कि किसान मन के किसानी बुता के सुरुवार इहि दिन ले होथे। जेकर सेती गाँव म किसान मन अकती ल बिसेस ढंग ले मनाथे।

गाँव म होथे अकती पूजा के मुनादी:-अकती के पहिली रतिहा गाँव के कोतवाल ह मुनादी करथे की काली जुवार अकती तिहार मनावत जाहूँ हो.....! मुनादी के पाछूँ के असल उद्देश ये रथे कि बिहाने दिन जब तक ले ठाकुर देव म पूजा पाठ ह सपुरन नइ हो जाय तब तक ले कोनो ल अपन घर म पिए बर पानी नइ भरना हे रहिथे।

ठाकुर देव के पूजा:-अकती के दिन घर के बेटी माई मन बिहानियाँ ले उठ के घर ल बने लिप बहार के बने साफ सफाई करथे।अंगना दुवारी ल गोबर म लिपथे। बाबूजात मन नऊ ठाकुर के घर ले परसा पान ले बने दोनो ल लाय बर जाथे अउ दोना ल अपन घर ले आथे । नहा धो के बने उज्जर कपड़ा पहिर के दोना म माई कोठी के धान ल हेर के गाँव के ठाकुर देव म चढ़हाय ल जाथे। गाँव भर के जम्मों मनखेमन अपन-अपन घर के माई कोठी के धान ल दोन म भर के ठाकुर देव म चघा देथे। गाँव के सियान बइगा मन दोना म लाए जम्मों धान ल उही मेरा उलद देथे अउ बिधि बिधान ले पूजा पाठ हुँम जग देथे। ओकर पाछूँ दु झन नान्हे लइका ल सांकेतिक बइला बना के नाँगर फाँद के धान ल छित के खेत जुताई के बुता करथे। थोरिक धान ल पैरा डोरी के दु ठन कोठी बना के धान ल भर के ठाकुर देव कना जागे रुख म बने उँचहा जगह में बांध देथे। सुख समृद्धि अउ बने फसल के कामना करत बाचे धन ल दोना म भर के जम्मों झन अपन-अपन घर ले आनथे।

पानी ओइछ के सुवागत:-घर के मुहाटी म पहुँचे ले घर के बेटी माई मन एक लोटा पानी अउ पिऊरा चाउर ल थारी म लेके आथे। अउ दोना लेके अवइया मन के स्वागत पानी ल दुनो मुड़ा म ओइछ के स्वागत करथे। ठाकुर देव म सपुरन पूजा पाठ होय के पाछूँ कोतवाल ह अउ मुनादी करथे की अकती पूजा होगे पानी काजी भरत जाहू हो....! जेकर बाद म झम्मो झन पिए खाय बर पानी काजी भरथे ।

नकता करे के परमपरा:-साँझा बेरा म किसान मन दोना म लाए धान ल ले के अपन खेत त जाथे अउ विधि बिधान ले पूजा पाठ करके कुँदारी म कोड़ के बाँवत करत बने फसल के कामना करथे। इही ल नकता करना कहे जाथे। अकती के दिन नकता कराई ल बहुते शुभ माने जाथे।

पुरखा मन ल देथे अकती पानी--कहे जाथे ये दिन जेन मनखे मन अपन पुरखा ल अकती पानी देथे तउन ह सोझे ओ मन ल मिल जाथे। ब्रम्हा के बेटा अक्छय ह इही दिन पैदा होय रिहिस हे। ऐकरे सेथि ये दिन के महत्ता हा छत्तीसगढ़ म अड़बड़ होथे।

परसुराम अवतार :- परसुराम के अवतार भी इही दिन होय रिहिसे। ओकरे पाय आज के दिन ल परसुराम जयंती के रुप म भी मनाय जाथे। आज के दिन भगवान बिसनु अऊ लक्छ्मी के भी पूजा करे जाथे। एकर पूजा करे से बिसेस लाभ मिलथे।

दुवापर युग के समापन :- पौरानिक कथा के अनुसार आज के दिन ही महाभारत युद्ध के अंत होइसे अऊ दुवापर युग के समापन भी होइसे। ये सब कारन ले अकती के बहुत महत्व हे।

पुतरा-पुतरी के बिहाव :- अकती के दिन नान्हे नान्हे लइका मन बहुत खुस रहिथे। आज के दिन सब नोनी बाबू मन मिलके पुतरा पुतरी के खेल खेलथे। माटी से बने पुतरा पुतरी के बिहाव करथे। अउ बिहाव के जम्मो रसम ल निभाथे ।

बिहाव के सुभ मुहुरुत :- अकती के दिन ल बिहाव के सुभ मुहुरुत माने गेहे। आज के दिन पंचांग देखे के जरुरत नइ परे। अकती के दिन जेकर बिहाव होथे ओकर जनम जनम तक साथ नइ छूटे अइसे कहे जाथे।

दान पून के महत्तम :- आज के दिन दान पून के बिसेस महत्व हे। आज के दिन दान पून करे से बहुत बड़े पुन्य मिलथे। एकरे पाय सब आदमी ल अपन सक्ती के अनुसार दान पून करना चाही। गरीब मनखे ल भोजन करवाना चाहिए अऊ कपड़ा आदि भी देना चाहिए। गौ माता ल घास खवाना चाहिए। पशुपक्छी मन ल भी भोजन करवाना चाहिए।

प्रीतम कुमार साहू, गुरुजी
लिमतरा, धमतरी,(छ.ग)

भारत रत्न बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर सूलिया में पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

भवानीमंडी :- राज्य सरकार के आदेश की पालना में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूलिया में डॉ.अंबेडकर जयंती के एक दिन पूर्व सोमवार को जयंती का आयोजन किया गया जिसमें बाबा साहब के विचारों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया ।

प्राचार्य वंदना गुनसारिया ने अपने संबोधन ने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के विचार आज भी हमें समानता, न्याय और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा देते हैं ।हम सभी को उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए एक समतामूलक और सशक्त समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए।

समारोह के दौरान व्याख्याता मीनाक्षी मीणा,अध्यापक देवी सिंह नागर,अध्यापिका प्रीतिबाला जैन ने भी अंबेडकर जी के जीवन से जुड़े प्रसंग सुनाए।

सरकार के निर्देशानुसार आज विद्यालय में अंबेडकर जयंती के एक दिन पूर्व विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) का वाचन प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों और स्टाफ द्वारा सामूहिक वाचन किया गया ।

विद्यार्थियों ने पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेकर डॉक्टर अंबेडकर के जीवन उनसे उनके विचारों और संविधान से संबंधित विषयों पर अपनी रचनात्मकता प्रदर्शित की ।

डॉ. भीमराव अंबेडकर और भारतीय संविधान विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित की गई जिसमें भी छात्रों ने भाग लिया निबंध लेखन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्रों के अभिव्यक्ति कौशल और विषय की गहरी समझ विकसित होती है इन्हीं उद्देश्य को ध्यान में रखकर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार शर्मा अध्यापक ने किया उन्होंने कहा कि डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती एक उत्सव नहीं है बल्कि सामाजिक न्याय समानता और शिक्षा के मूल्यों को समझने और अपने का अवसर है।

एक्सक्लूसिव ज्योतिष मार्गदर्शन

मुंबई में गूंजेगा डॉ. विनोद आचार्य कुमार के ज्योतिष का ज्ञान

मुंबई (अनिल बेदाग) : मुंबई की तेज़ रफ्तार जिंदगी के बीच जब लोग अपने भविष्य को लेकर स्पष्टता और संतुलन की तलाश में हैं, ऐसे में एक खास अवसर सामने आ रहा है। प्रसिद्ध वैदिक ज्योतिषी डॉ. विनोद आचार्य कुमार 21, 22 और 23 अप्रैल को शहर में विशेष ज्योतिष सत्र आयोजित करने जा रहे हैं, जो लोगों को जीवन के अहम सवालों के जवाब देने का वादा करते हैं। अपनी सटीक भविष्यवाणियों और गहरी ज्योतिषीय समझ के लिए पहचाने जाने वाले डॉ. कुमार ने वर्षों से हजारों लोगों को दिशा और आत्मविश्वास प्रदान किया है। उनके सत्रों में करियर, रिश्तों, वित्त और

व्यक्तिगत विकास जैसे विषयों पर गहन कुंडली विश्लेषण के साथ व्यावहारिक समाधान भी दिए जाते हैं। इन सत्रों की सबसे बड़ी खासियत है—जटिल ज्योतिषीय सिद्धांतों को बेहद सरल और सहज भाषा में समझाने की उनकी शैली। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक सोच के संतुलन के साथ, उनका मार्गदर्शन आज की जीवनशैली के लिए बेहद प्रासंगिक बन जाता है। सीमित सीटों के चलते इन सत्रों में शामिल होने के लिए उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। जो लोग अपने जीवन को नई दिशा देना चाहते हैं, उनके लिए यह अवसर एक सार्थक शुरुआत साबित हो सकता है।